BSNL EMPLOYEES UNION

Recognised Union in BSNL
(Registered Under Indian Trade Union Act 1926. Regn.No.4896)
CHQ:Dada Ghosh Bhawan, Opp. Shadipur Bus Depot., New Delhi – 110008
Email: bsnleuchq@gmail.com, website: bsnleu.in

P. Abhimanyu
General Secretary

Phone: (O) 011-25705385
Fax : 011- 25894862

बीएसएनएलईयू/102(सर्कुलर सं.01) दिनांक 24 दिसंबर 2018

सेवा में

सभी केंद्रीय पदाधिकारी,
सर्किल सचिव और जिला सचिव।

कामरेड्स,

मैसूरु में ऐतिहासिक अखिल भारतीय सम्मेलन।

बीएसएनएलईयू का 9वां अखिल भारतीय सम्मेलन 17 से 20 दिसंबर, 2018 तक जयम्मा गोविंदगौड़ा कल्याण मंडप, मैसूरु में आयोजित किया गया। बीएसएनएलईयू का हर अखिल भारतीय सम्मेलन संगठन के इतिहास में निश्चित रूप से मील का एक पत्थर है। लेकिन, मैसूरु अखिल भारतीय सम्मेलन अद्वितीय है, क्योंकि यह एक बहुत ही महत्वपूर्ण मोड़ पर हुआ है और इसने ऐतिहासिक निर्णय लिए हैं।

सम्मेलन की शुरुआत ध्वजारोहण समारोह से हुई। इससे पहले, कर्नाटक के लोक कलाकारों ने दर्शकों का मनोरंजन किया। कॉम बलबीर सिंह, अध्यक्ष द्वारा राष्ट्रीय ध्वज फहराया गया। यूनियन ध्वज कॉम. पी. अभिमन्यु, महासचिव द्वारा फहराया गया। इसके तुरंत बाद, उद्घाटन सत्र शुरू हुआ। कॉम. बलबीर सिंह ने इस सत्र की अध्यक्षता की। कॉम. पी. अभिमन्यु, जीएस, ने सभी का स्वागत किया और संक्षेप्त में उस पृष्ठभूमि पर भाषण दिया जिसमें सम्मेलन हो रहा था।

सीटू महासचिव कॉम. तपन सेन ने उद्घाटन भाषण दिया। उन्होंने सरकार की नीतियों के खिलाफ संघर्ष में बीएसएनएलईयू द्वारा सभी यूनियनों और एसोसिएशनों को एकजुट करने में निभाई जा रही भूमिका को छूआ। उन्होंने दूरसंचार क्षेत्र के विशेष संदर्भ के साथ बताया कि किस तरह से वर्तमान सरकार सार्वजनिक क्षेत्र को नष्ट कर रही है। उन्होंने बीएसएनएल की यूनियनों और एसोसिएशनों द्वारा वेतन संशोधन के मुद्दे को हल करने के लिए चलाए जा रहे संघर्ष की सराहना की। नरेंद्र मोदी सरकार द्वारा चलाई जा रही नवउदारवादी नीतियों की कड़ी आलोचना करते हुए कॉम. तपन सेन ने बीएसएनएल कर्मचारियों का आह्वान किया कि वे 8 और 9 जनवरी 2019 को होने वाली दो दिवसीय आम हड़ताल में बड़े पैमाने पर भाग लेंगे।

उद्घाटन सत्र को काम. वीएएन नंबूदिरी, पूर्व महासचिव बीएसएनएलईयू, कॉम. अमानुल्लाह खान, अध्यक्ष, अखिल भारतीय बीमा कर्मचारी संघ, कॉम. सीतलक्ष्मी, उपाध्यक्ष, केंद्र सरकार कर्मचारी कन्फेडरेशन, कॉम. अनिमेष मित्रा, एसजी, बीएसएनएल सीसीडब्ल्यूएफ, कॉम. के जी जयराज, जीएस, एआईबीडीपीए, कॉम. स्वपन चक्रवर्ती, डिप्टी जीएस, कॉम. सी.के. गुंदन्ना, महासचिव, स्वागत समिति, कॉम.एम.सी. बालकृष्ण, अध्यक्ष, स्वागत समिति और कॉम. एचवी सुदर्शन, कार्यकारी अध्यक्ष, स्वागत समिति ने भी संबोधित किया।

पहले दिन की दोपहर में एक विशाल और रंगारंग जुलूस का आयोजन किया गया। इसके बाद बीएसएनएल के पुनरुद्धार पर एक सेमीनार आयोजित की गई। कॉम. बलबीर सिंह, अध्यक्ष ने इसकी अध्यक्षता की। कॉम. पी. अभिमन्यु, जीएस, ने सेमिनार में मुख्य भषण दिया। कॉम. चंदेश्वर सिंह, जीएस, एनएफटीई, कॉम. के सेबास्टिन, जीएस, एसएनईए, कॉम. प्रहलाद राय, जीएस, एआईबीएसएनएलईए, कॉम. सुरेश कुमार, जीएस, बीएसएनएल एमएस और कॉम. एच.पी. सिंह, डिप्टी जीएस, बीएसएनएल ओए, ने सेमीनार को संबोधित किया। श्री आर मणि, सीजीएम, कर्नाटक और श्री मनीष कुमार, जीएम (Restg.), कॉर्पोरेट कार्यालय, ने प्रबंधन की ओर से सेमिनार को संबोधित किया। सभी महासचिवों ने माननीय एमओएस (सी) के साथ हुई बातचीत और लिए गए फैसलों और हड़ताल को टाल देने के बारे में विस्तार से बताया। उनके भाषणों ने वेतन संशोधन मुद्दे पर श्रोताओं के सभी संदेहों को दूर किया। इस सेमीनार के बाद एक सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित किया गया। पहले दिन के कार्यक्रमों में 3,000 से अधिक साथियों ने भाग लिया।

प्रतिनिधि सत्र दूसरे दिन सुबह शुरू हुआ। इसकी अध्यक्षता अध्यक्ष और सभी उपाध्यक्षों से मिलकर बने एक अध्यक्षमंडल ने की। चुने गए 1,526 प्रतिनिधियों और पर्यवेक्षकों में से, 1,354 प्रतिनिधियों और पर्यवेक्षकों ने सम्मेलन में भाग लिया। कॉम पी. अभिमन्यु, जीएस, ने गतिविधियों पर रिपोर्ट प्रस्तुत की। अपने भाषण में, उन्होंने रिलायंस जियो के बारे में, और सरकार द्वारा उठाए गए बीएसएनएल विरोधी कदमों, एयूएबी बनाने के लिए किए गए प्रयासों, सहायक टावर कंपनी को रोकने के लिए किए गए संघर्षों, वेतन संशोधन मुद्दे और नॉन–एक्जीक्यूटिव कर्मचारियों की समस्याओं को हल करने में की गई प्रगति के बारे में विस्तार से बताया। ऑडिटेड एकाउंट्स को भी सदन में प्रस्तुत किया गया। दूसरे दिन दोपहर के सत्र में प्रतिनिधियों द्वारा चर्चा आरंभ की गई और चौथे दिन दोपहर के भोजन के समय तक जारी रही। कुल 96 प्रतिनिधियों ने चर्चा में भाग लिया। प्रतिनिधियों ने अनिश्चितकालीन हड़ताल को टालने के लिए एयूएबी द्वारा अपनाए गए रुख का भारी समर्थन किया। बीएसएनएल के भविष्य और पुनरुद्धार पर गंभीर चर्चा हुई। अंत में, महासचिव ने चर्चा का समाहार किया और प्रतिनिधियों द्वारा उठाए गए मुद्दों पर जवाब दिया। सदन ने सर्वसम्मति से गतिविधियों पर रिपोर्ट और लेखा परीक्षित खातों पर रिपोर्ट को पारित कर दिया।

कई महत्वपूर्ण प्रस्ताव पारित किए गए और महत्वपूर्ण मुद्दों पर निर्णय भी लिए गए। सम्मेलन द्वारा पारित एक बहुत ही महत्वपूर्ण प्रस्ताव, एकता को मजबूत करने के लिए था, जो नॉन–एक्जीक्यूटिवों के मान्यता नियमों में संशोधन की मांग करता है। इन नियमों में कहा गया है कि, अगर प्रथम यूनियन को 50 प्रतिशत या अधिक वोट मिलते हैं तो किसी अन्य यूनियन को मान्यता नहीं दी जाएगी। चूँकि यह एक ऐसा पहलू है जो प्रमुख संगठनों, बीएसएनएलईयू और एनएफटीई के बीच असामंजस्य पैदा करता है, सम्मेलन ने निर्णय लिया है कि यह अनुच्छेद हटाया जाना चाहिए। पदाधिकारियों का चुनाव सर्वसम्मति से हुआ। ज्यादातर पदाधिकारियों ने अपने पद छोड़ दिए और युवाओं द्वारा जिम्मेदारियां निभाने के लिए मार्ग प्रशस्त किया। सम्मेलन 20 दिसंबर 2018 को शाम 06.00 बजे जोरदार नारेबाजी के साथ संपन्न हुआ।

सीएचक्यू ने कॉम. सी के गुंदन्ना, कॉम. एम.सी. बालकृष्ण, कॉम. एच.वी. सुदर्शन, कॉम. सुब्रमण्यम और कॉम .महात्मा स्वामी की अध्यक्षता वाली स्वागत समिति को सम्मेलन को यादगार बनाने के भारी प्रयासों के लिए हार्दिक बधाई दी। तमाम प्रतिनिधियों और पर्यवेक्षकों ने स्वागत समिति द्वारा की गई उत्कृष्ट आवास और भोजन व्यवस्था की सराहना की। सीएचक्यू ने कर्नाटक सर्किल और मैसूरु जिले की यूनियनों की भी सम्मेलन को ऐतिहासिक सफलता दिलाने में उनके योगदान के लिए सराहना की।

सम्मेलन में निम्नलिखित कॉमरेडों को सर्वसम्मति से पदाधिकारी चुना गया :

अध्यक्ष : कॉम. अनिमेश चंद्र मित्रा, कार्यालय अधीक्षक (पी) – ईटीआर, कोलकाता।

उपाध्यक्ष : कॉम. बलबीर सिंह, कार्यालय अधीक्षक (जी) – लुधियाना, पंजाब।
: कॉम. एन.के. नलवाडे, सेवानिवृत्त – पुणे, महाराष्ट्र।
: कॉम. आर.एस.चौहान, सेवानिवृत्त – एनटीआर, नई दिल्ली।
: कॉम. के रामादेवी, कार्यालय अधीक्षक, ओ /ओ जीएमटीडी, विजयवाड़ा, आंध्र प्रदेश।
: कॉम. एम.के. दवे, कार्यालय अधीक्षक (पी) – नवसारी, गुजरात
: कॉम. के.एस. सौन, सहायक कार्यालय अधीक्षक (जी) – ओ /ओ सीजीएम, उत्तराखंड।

महासचिव : कॉम. पी. अभिमन्यु, सेवानिवृत्त – पुदुचेरी, तमिलनाडु।

उपमहासचिव : कॉम. स्वपन चक्रवर्ती, कार्यालय अधीक्षक (पी), त्रिपुरा, एनई –1

सहा. महासचिव : कॉम. संपत राव जुलपल्ली, सेवानिवृत्त – वारंगल, तेलंगाना।
: कॉम. एस. चेल्लप्पा, कार्यालय अधीक्षक (जी) – ओ / ओ सीजीएम, तमिलनाडु।
: कॉम. जॉन वर्गीस, कार्यालय अधीक्षक – ओ / ओ एजीएम (एसएंडएम), औरंगाबाद, महाराष्ट्र।
: कॉम. प्रकाश शर्मा, कार्यालय अधीक्षक – इंदौर, मध्य प्रदेश।
: कॉम. राकेश कुमार, कार्यालय अधीक्षक, ओ /ओ पीजीएमटीडी, लखनऊ, यूपी (पूर्व)।
: कॉम. एम. विजयकुमार, जूनियर इंजीनियर– कोझीकोड, केरल।

कोषाध्यक्ष : कॉम. गकुल बोराह, कार्यालय अधीक्षक (टी) – तेजपुर, असम

संगठन सचिव :कॉम रमेश चंद, कार्यालय अधीक्षक (पी) – ओ / ओ डीईटी, नारनौल, हरियाणा।
: कॉम. सिसिर कुमार रॉय, जूनियर इंजीनियर – ओ / ओ एसडीई, सीटीडी, कोलकाता
: कॉम. प्रदीप कुमार जैन, कार्यालय अधीक्षक (पी) – जयपुर, राजस्थान।
: कॉ. अमरजीत सिंह, दूरसंचार तकनीशियन, धर्मशाला, हिमाचल प्रदेश।
: कॉम. नरेश पाल, जूनियर इंजीनियर – मेरठ, यूपी (पश्चिम)।
: कॉम. एम.सी. बालकृष्ण, कार्यालय अधीक्षक – मांड्या, कर्नाटक।
: कॉम. इरफान पाशा, सहायक कार्यालय अधीक्षक – ओ ६ ओ एसडीई (ई), बेंगलुरु, कर्नाटक।
: कॉम. एस.डी. चौधरी, तकनीशियन II, टेलीकॉम फैक्टरी, मुंबई।
: कॉम. पी आर परमेस्वरन, सहायक कार्यालय अधीक्षक, ओ / ओ जीएमटी, पलक्कड़, केरल।

एआईसी के फैसले।

1) 8 और 9 जनवरी, 2019 को 2 दिवसीय आम हड़ताल को सफल बनाने के लिए सभी तैयारी की जानी चाहिए। हड़ताल में भाग लेने वाले अन्य संगठनों के साथ एक संयुक्त अभियान के संचालन के लिए प्रयास किए जाने चाहिए।
2) यूनियन को ठेका और आकस्मिक श्रमिकों की समस्याओं को हल करने के लिए गंभीरता से हस्तक्षेप करना चाहिए। कॉर्पोरेट कार्यालय के आदेशों के अनुसार न्यूनतम वेतन का कार्यान्वयन, ईपीएफ और ईएसआई योजनाओं का कार्यान्वयनं, कॉर्पोरेट कार्यालय के निर्देशों के अनुसार श्रमिकों की छंटनी, बीएसएनएलसीसीडब्ल्यूएफ के नेतृत्वकारी पदाधिकारियों का उत्पीड़न, 7 वें सीपीसी वेतनमान के अनुसार टीएसएम्ज और आकस्मिक मजदूरों की मजदूरी का संशोधन और बचे हुए आकस्मिक मजदूरों को नियमित करना, महत्वपूर्ण मुद्दे हैं, जिन पर बीएसएनएलईयू को बीएसएनएलसीसीडब्ल्यूएफ के साथ संयुक्त रूप से काम करना चाहिए।

3) यूनियन को बीएसएनएल के वित्तीय पुनरुद्धार के मुद्दे पर गंभीरता से ध्यान देना चाहिए। एयूएबी ने पहले से ही ''बीएसएनएल आपके द्वार'' आंदोलन का आह्वान किया है, जिसका उद्देश्य कंपनी के सेल्स और मार्केटिंग को बढ़ावा देना है। बीएसएनएल को जल्द ही 4 जी स्पेक्ट्रम मिलने की संभावना है और इसके बाद कंपनी 4 जी सेवा लॉन्च करेगी। इसके साथ, अगर तमाम कर्मचारी सक्रिय रूप से खुद को ''बीएसएनएल आपके द्वार'' आंदोलन में शामिल करते हैं तो यह कंपनी के पुनरुद्धार की दिशा में एक बड़ा कदम होगा। बीएसएनएलईयू को इसके लिए पहल करनी चाहिए।

4) ऑल यूनियंस एंड एसोसिएशंस (एयूएबी) बीएसएनएल के नॉन–एक्जीक्यूटिवों और एक्जीक्यूटिवों के प्रमुख संगठन के रूप में उभरा है। अखिल भारतीय स्तर पर, एयूएबी ने लोकतांत्रिक तरीके से काम करना शुरू कर दिया है। उसी तरह, एयूएबी का कामकाज सर्किल और जिला स्तरों पर मजबूत किया जाना चाहिए।

5) अखिल भारतीय बीएसएनएल कामकाजी महिला समन्वय समिति, (बीएसएनएल डब्ल्यूडब्ल्यूसीसी) जो बीएसएनएफईयू की एक उपसमिति है, अखिल भारतीय स्तर पर कार्य कर रही है। कुछ सर्किलों में, सर्किल स्तर की समितियां बनी हैं। जिस भी सर्किल में इस समिति का गठन अभी तक नहीं हुआ है, उसके लिए तत्काल कदम उठाए जाने चाहिएं।

6) बीएसएनएल डब्ल्यूडब्ल्यूसीसी के अखिल भारतीय संयोजक बीएसएनएलईयू की केंद्रीय कार्यकारिणी समिति मीटिंगों के लिए एक स्थायी आमंत्रित सदस्य होंगे।

7) अखिल भारतीय यूनियन ने पहले ही भोपाल में एक अखिल भारतीय युवा कार्यकर्ता कन्वेंशन आयोजित की है। कुछ अन्य सर्किलों ने भी इस कन्वेंशन का आयोजन किया है। बचे हुए सर्किलों को भी कन्वेंशन, अधिमानतः 31 मार्च, 2019 तक आयोजित कर लेनी चाहिए।

8) विभिन्न स्तरों पर सम्मेलनों और कार्यकारी समितियों में लिए गए फैसलों के कार्यान्वयन की समीक्षा करना बहुत महत्वपूर्ण है। इसे सुनिश्चित करने के लिए, यह निर्णय लिया गया है कि किए गए काम की एक ''मध्यावधि समीक्षा'' अखिल भारतीय, सर्किल और जिला स्तरों पर की जानी चाहिए।

प्रस्ताव

(1) 03.12.2018 से अनिश्चितकालीन हड़ताल स्थगित करना।
(2) बीएसएनएल कर्मचारियों के तीसरे वेतन संशोधन पर।
(3) 8 और 9 जनवरी 2019 को होने वाली दो दिवसीय आम हड़ताल में शामिल होने के लिए बीएसएनएल कर्मचारियों का आह्वान करना।
(4) बीएसएनएल के आकस्मिक और ठेका मजदूरों की समस्याओं पर।
(5) नॉन–एक्जीक्यूटिव एम्पलॉईज के मान्यता नियम में संशोधन की मांग पर।
(6) बीएसएनएल सेवानिवृत्त लोगों के लिए पेंशन संशोधन पर।
(7) स्टोर्स और सामग्रियों की कमी पर।
(8) सांप्रदायिक सौहार्द पर।
(सभी प्रस्ताव सीएचक्यू वेबसाइट पर अपलोड किए गए हैं, और *टेली क्रूसेडर* और *बीएसएनएल स्वर* में भी प्रकाशित किए जा रहे हैं, इसलिए, प्रस्तावों की प्रतियां संलग्न नहीं हैं)।

सधन्यवाद

आपका

(पी अभिमन्यु)
महासचिव